(c) what is the amount invested by LIC in Bihar during the last three years for its developmental work with year-wise details and the percentage worked out between the business of LIC and investment made by it in the State during the said period; and

(d) what action Government propose to take to provide more Insurance cover to the people of Bihar through LIC and increase its investments in the State?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) to (d) The material is being collected and will be laid on the Table of the House.

Impact of Devaluation on Export

3218. DR. SANJAYA SINH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that last year's devaluation in two stages had failed to boost India's exports as reported in the Pioneer (New Delhi) dated 9th November, 1992 under the caption "Devaluation failed to boost exports"; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) and (b) No, Sir. The overall exports registered a growth of 5.4 per cent in dollar terms during the first half of 1992-93 as compared to a decline of 6.2 per cent in the same period last year. The growth of export to GCA countries has been much higher at 12.1 per cent during April-September 1992 as compared to 5.7 per cent in the same period last year. In fact the cumulative rate of growth in exports this year has been accelerating month after month.

गुजरात में भारतीय यूनिट ट्रस्ट की शाखायें खोलने का प्रस्ताव

3219. **श्री रामसिंह राठवा:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में भारतीय यूनिट ट्रस्ट की शाखायें खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी शाखायें किन-किन स्थानों पर खोले जाने की सम्भावना है; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर "ना" हो तो इसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) इस समय, गुजरात में शाखा कार्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव भारतीय यूनिट ट्रस्ट (यू०टी० आई०) के विचाराधीन नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जुलाई, 1991 से जून, 1992 तक की अवधि के दौरान, यू०टी०आई० ने गुजरात में सूरत, राजकोट और बड़ौदा में तीन शाखाएं खोली थी।

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा गुजरात को उपलब्ध कराई गई पुनर्वित्त सहायता

3220. **श्री रामसिंह राठवा:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय आवास बैंक ने मकानों के निर्माण और मरम्मत के लिए गुजरात के राज्य ग्रामीण बैंक को पुनर्वित्त सुविधा उपलब्ध कराई है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) से (ग) राष्ट्रीय आवास बैंक ने 1989 से ही अन्य बातों के साथ-साथ राज्य सहकारी बैंकों और राज्य स्तरीय सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों को ऋण सहायता उपलब्ध कराने की योजना लागू की है। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पुनर्वित्त की राष्ट्रीय आवास बैंक की योजना में, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के मार्फत संवितरित आवास ऋणों के संबंध में प्रायोजक वाणिज्यिक बैंकों को पुनर्वित्त उपलब्ध कराना है। तथापि, गुजरात राज्य के संबंध में इन में से किसी भी योजना के तहत राष्ट्रीय आवास बैंक से कोई सहायता नहीं ली गई है।